समाजशास्त्र
एक परिचय

समाजशास्त्र एक परिचय

लेखक

डॉ. मैनपाल सहारण

सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र

(NET, SET, JRF, PH.D.)

Youtube : @DrMainpalSaharan

Play Store App : Sociology Classes in Hindi

2024

Siddhi Vinayak Publications

प्रकाशक

सिद्धि विनायक पब्लिकेशन्स
कुलचन्द्र, हनुमानगढ (राजस्थान) 335526
94611-09470, 83063-09470
publicationssiddhivinayak@gmail.com

ISBN : 978-81-965118-7-6

© लेखक एवं प्रकाशक

प्रथम संस्करण (2024)

मूल्य : ₹ 380.00

शब्द संयोजक एवं डिजाइन : कमल जीत सिंह (तकनीकी सहायक)

प्रबन्धनः डॉ. दिनेश कुमार जाखड़
सहायक आचार्य (भूगोल विभाग)
V/PO: कुलचन्द्र, हनुमानगढ (राजस्थान)

मुद्रक : Ican Technosolutions

वैधानिक चेतावनी

- पुस्तक प्रकाशन में पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि, कमी अथवा लोप का रह जाना संभव है। अतः किसी भी त्रुटि, कमी एवं लोप के कारण क्षति अथवा क्लेश के लिए संपादक, लेखक, प्रकाशक, वितरक अथवा मुद्रक का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।
- शोध आलेख/चैप्टर/अध्याय में दिए गए विचार लेखकों/शोधकर्त्ताओं के अपने हैं। इसके लिए प्रकाशक/संपादक जिम्मेदार नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र हनुमानगढ, राजस्थान ही होगा।
- प्रकाशक एवं लेखक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनः प्रकाशन/फोटो कॉपी/स्केल इत्यादि माध्यमों से पुनर्मुद्रण करना कॉपीराइट अधिनियम के अनुसार दंडनीय अपराध है।

संख्या	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
	अपनी बात	(vi)
1	समाजशास्त्र एवं समाज	1 – 6
2	मूलभूत अवधारणाएँ एवं उनका उपयोग	7 – 13
3	सामाजिक संस्थाओं को समझना	14 – 21
4	संस्कृति तथा सामाजीकरण	22 – 27
5	अनुसंधान पद्धतियाँ	28 – 32
6	सामाजिक संरचना, स्तरीकरण एवं प्रक्रियाएँ	33 – 38
7	ग्रामीण एवं नगरीय जीवन में सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक व्यवस्था	39 – 43
8	पर्यावरण एवं समाज	44 – 46
9	प्रमुख पश्चिमी समाजशास्त्री	47 – 54
10	प्रमुख भारतीय समाजशास्त्री	55 – 61
11	भारतीय समाज का परिचय	62 – 75
12	सामाजिक संस्थाएँ : निरंतरता एवं परिवर्तन	76 – 94
13	सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप	95 – 109
14	सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ	110 – 119
15	परियोजना कार्य के लिए सुझाव	120 – 128
16	भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ	129 – 141
17	भारतीय लोकतंत्र की कहानियाँ	142 – 162
18	ग्रामीण समाज में परिवर्तन और विकास	163 – 173
19	सामाजिक परिवर्तन के नये क्षेत्र	174 – 183
20	सामाजिक आन्दोलन	184 – 192
	प्रमुख अवधारणाएँ, सिद्धांत व सिद्धांतकार	193 – 196
	प्रमुख पुस्तकें एवं लेखक	197 – 201
	महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर	202 – 226

"वर्तमान समय में समाजशास्त्र एक विषय के रूप में किसी पहचान का मोहताज नहीं है। विद्यालयी स्तर से लेकर देश की सर्वोच्च सिविल सेवा तक समाजशास्त्र प्रिय एवं महत्त्वपूर्ण विषय बना हुआ है। इसमें कोई दो राय नहीं कि समाजशास्त्र विद्यार्थियों में समाज की बेहतर समझ विकसित करता है। वैज्ञानिक युग के दौर में पूर्वाग्रहरहित ज्ञान उपलब्ध करवाता है। साम्प्रदायिकता, अंधविश्वास, जातिवाद जैसी सामाजिक समस्याओं के संबंध में उचित जानकारी उपलब्ध करवाकर समाधान का मार्ग प्रशस्त करता है। आज लाखों विद्यार्थी समाजशास्त्र में कैरियर की संभावनाएँ तलाश रहे हैं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

*प्रस्तुत पुस्तक समाजशास्त्र के उन प्रारम्भिक विद्यार्थियों के लिए लिखी गई है जो किसी भी स्तर पर समाजशास्त्र को समझना चाहते हैं, समाजशास्त्र से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है। इसके लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) कक्षा **11** की दोनों पुस्तकें समाजशास्त्र का परिचय एवं समाज का बोध को आधार बनाया गया है। पुस्तक में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए सरल भाषा को अपनाते हुए महत्त्वपूर्ण तथ्यों का समावेश किया गया है। अंत में महत्त्वपूर्ण पुस्तकों, अवधारणाओं एवं उनके प्रतिपादकों तथा बहुवैकल्पिक प्रश्नों को रखा गया है।*

यह सृजन ईश्वर की असीम अनुकम्पा का परिणाम है, जो हमेशा से बनी रही है। यह संक्षिप्त एवं प्रथम कृति माता-पिता को समर्पित है जिन्होंने जीवन का प्रथम अध्याय पढ़ाया अपना समय देने एवं अन्य उत्तरदायित्वों से मुक्त रखने के लिए पत्नी एवं बेटे का विशेष आभार, जिससे यह संभव हो पाया। उम्मीद है कि यह पुस्तक पाठकों को पसंद आएगी तथा आपके बहुमूल्य सुझाव सदैव आमंत्रित हैं।"

श्री गंगानगर
दिनांक : 07.11.2024

डॉ. मैनपाल सहारण
(Cont: 9352627133)